

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

- Options shown in green color and with  icon are correct.
- Options shown in red color and with  icon are incorrect.

Question Paper Name:	Inscript 16 February 2019 S2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-02-16 17:14:58
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	Yes
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	201298101
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298197
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Id: 201298197
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 2012981901 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes

	Actual
Group Number :	2
Group Id :	201298102
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	201298198
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 201298198
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 2012981902 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

खुशियां हर किसी के जीवन में बहार लाती हैं, इसलिए सभी अपने जीवन में खुशियां चाहते हैं और खुशी पाने के लिए कोई भी काम करना पसंद करते हैं, लेकिन मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो खुशियां आंतरिक होती हैं। बाहरी वस्तुएं एवं परिस्थितियां हमें जो खुशी देती हैं वह अस्थायी होती है। यदि स्थायी खुशी की तलाश करनी है तो उसे अपने भीतर ही खोजना होगा। खुशियों का खजाना कहीं बाहर नहीं मनुष्य के अंदर लुपा होता है, उसके दृष्टिकोण यानी मनोवृत्ति एवं उसकी समझ और उसके संतोष में। जीवन में बहुत सी ऐसी छोटी-छोटी चीजें होती हैं जिनसे हम खुशी हासिल कर सकते हैं और अपने अंतर्मन को पल भर के लिए खुशी से लबालब कर सकते हैं, लेकिन हम उन्हें कोई महत्व नहीं देते और अपने खुश रहने के क्षणों को गवां देते हैं। खुशी उनसे दूर भागती है जो हर क्षण चिंता, परेशानी व तनाव में होते हैं। ऐसे व्यक्ति खुशियों के अवसर में भी खुश नहीं रह पाते क्योंकि वे पहले से ही नकारात्मक तत्वों से भरे होते हैं। जैसे पानी से भरे हुए गिलास में और पानी नहीं डाला जा सकता, उसी तरह तनाव, चिंता से लबालब भरे हुए व्यक्तियों के अंदर खुशियां नहीं डाली जा सकतीं। खुशियां चाहिए तो ग्रहणशील बनना होगा, खुशियों के अवसरों को पहचानना होगा और उन्हें स्वीकारना होगा। खुशियां मीठे पानी की तरह होती हैं जो हमें अंदर से तृप्तकरती हैं। जिस तरह संसार में नदियां बहती हैं, झरने बहते हैं, तालाब होते हैं, कुएं होते हैं, उसी तरह संसार में खुशियों की भी लहरें हैं, झरने हैं। जिस तरह नदी झरनों से पानी पीने के लिए हमें उन के समीप जाना जरूरी होता है लेकिन यदि हमारे पास कुंआ है तो हम जब चाहे अपनी प्यास बुझा सकते हैं। उसी प्रकार खुशियों के लिए यदि हम बाहरी स्रोतों व तत्वों पर निर्भर हैं तो हमें उनका इतजार करना होता है लेकिन यदि कुएं की तरह खुशी का स्रोत हम अपने भीतर तलाश लेते हैं तो हमें कहीं भटकने की जरूरत नहीं होती है। खुशी पाने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते, लेकिन फिर भी हम वह खुशी हासिल नहीं कर पाते जिसकी हमें चाह होती है, इसलिए हम अतृप्त ही रह जाते हैं। यदि खुशी मिलती भी है, तो अल्पसमय के लिए, फिर हम जहां थे वहीं रह जाते हैं। कभी-कभी हम एक ही तरह की जिंदगी से दुखी नहीं होते, क्योंकि जब हम किसी उद्देश्य से किसी काम में लगे रहते हैं तो हमें जिंदगी नीरस नहीं लगती क्योंकि उद्देश्य पूरा करने में हम कभी भी एक ही तरह से कार्य नहीं करते वरन् कार्य को विभिन्न तरह से करते हैं और अपनी जिंदगी में खूबसूरत अनुभवों के रंग भरते हैं, जिनसे हमें खुशी और शांतिमिलता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes